आज़ादी का अमृत महोत्सव

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

सम्पादक

मनीष कुमार त्रिपाठी

प्रभा शर्मा

● वर्ष – 2 ● अंक – 04 ● अप्रैल, 2023

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

संपादक

मनीष कुमार त्रिपाठी

प्रभा शर्मा

डॉ. प्रज्ञा सिंह

डॉ. अनुपमा ओझा

श्री विश्वजीत लूथर हैरिसन

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

बीएएमएस : द्वितीय छमाही परीक्षा

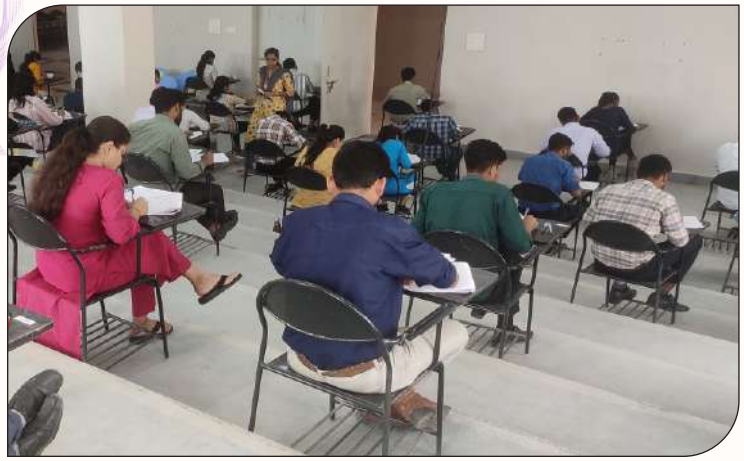

दिनांकः **01 अप्रैल, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कॉलेज के बीएएमएस प्रथम व्यावसायिक सत्र 2021–22 की दिनांक–27.03.2023 से चल रही आंतरिक द्वितीय छमाही परीक्षा के पंचम दिवस परो परीक्षा में प्रतिभाग करते विद्यार्थी।

अतिथि व्याख्यान : सुरक्षित प्रसव एवं चुनौतियां

स्वस्थ शिशु के जन्म के लिए गर्भवती का खानपान तो अच्छा होना ही चाहिए मन भी हमेशा प्रसन्न रहना चाहिए। वर्तमान की भागदौड़ भरी जिंदगी में यह जरूरी है कि पेट में पल रहे बच्चे का ख्याल हर तरह से रखा जाए और उपयुक्त चिकित्सा उपकरणों, प्रशिक्षित डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टॉफ से लैस अस्पताल में ही प्रसव कराया जाए। सुरक्षित प्रसव इस बात पर सर्वाधिक आधारित है कि गर्भावस्था की शुरुआत से गर्भवती का ध्यान किस प्रकार रखा गया है।

उक्त बातें दिनांकः **03 अप्रैल, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में 'सुरक्षित प्रसव की चुनौतियां' विषय पर आयोजित व्याख्यान में कॉर्पोरेटिव कॉलेज ऑफ नर्सिंग, थैलेसरी, केरल की प्रो. जशीता राजेश ने कहीं।

बीएससी तृतीय वर्ष की छात्राओं को प्रसव पूर्व की महत्वपूर्ण आवश्यकताओं और गतिविधियों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि सबसे पहले गर्भवती के पोषण पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। पूरी गर्भावस्था में समय–समय पर गर्भवती का स्वास्थ्य परीक्षण होना चाहिए। इसके अलावा गर्भवती को स्वस्थ जीवनशैली जीने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इसमें हल्के–फुल्के व्यायाम व खुद को यथासंभव सक्रिय रखना भी जरूरी है। साथ ही आवश्यकतानुसार विटामिन और अन्य पोषक तत्वों को दिया जाना महत्वपूर्ण है। यदि नौ महीने गर्भवती की उचित देखभाल की गई है तो इससे प्रसव के समय मां या शिशु की मृत्यु जैसी दुःखद स्थितियों में काफी हद तक कमी लाई जा सकती है। यह सुखद है कि पिछले कुछ वर्षों में इसमें उल्लेखनीय कमी आई भी है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल अतुल वाजपेयी ने की। गर्भवती का स्वास्थ्य और सुरक्षित प्रसव काफी हद तक परिवार, समाज और उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर निर्भर करता है। कुछ वर्षों में इस दिशा में सकारात्मक प्रयास हुए हैं।

लोगों की मानसिकता भी बदली है। अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी गर्भावस्था में स्वास्थ्य परीक्षण को लेकर लोग जागरूक हैं। लोग घर में प्रसव की बजाए अस्पताल जा रहे हैं। प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्था में अमूलचूल परिवर्तन से लोगों का स्वास्थ्य सुविधाओं पर विश्वास की प्रतिशत्ता है।

स्वास्थ्य जागरूकता

दिनांकः **07 अप्रैल, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज ऑफ नर्सिंग में अध्ययनरत एएनएम प्रथम वर्ष की 90 छात्राओं द्वारा बैजनाथपुर के सप्टहिया गाँव में विभिन्न क्लिनिक का आयोजन किया गया जिसमे छात्राओं ने गाँव के विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों एवं वृद्धों के स्वास्थ्य की जाँच कर मौसमी फलों एवं सब्ज़ियों के लाभ को भी बताया। इस आयोजन में शिक्षिका सुश्री आराधना, सुश्री सत्यभामा एवं सुश्री दीक्षा छात्राओं के साथ उपस्थित रहीं।

विश्व स्वास्थ्य दिवस

दिनांकः **07 अप्रैल, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कॉलेज में 'वर्ल्ड हेल्थ डे' के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. रतनेश तिवारी, एमबीबीएस, एमडी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के पश्चात् 1948 में विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना की गई। तब से हर साल इस तिथि 07 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाता है।

इस वर्ष 2023 में विश्व स्वास्थ्य संगठन अपना 75वाँ स्थापना दिवस मना रहा है। दुनिया में सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता के प्राथमिकता वाले क्षेत्र को उजागर करने के लिए एक थीम का चयन किया जाता है। इस थीम को आधार बनाकर पूरे वर्ष अनेकों जागरूकता मुहिम चलाए जाते हैं इससे गांव व शहर से जुड़े अनेक लोगों को विभिन्न नई बीमारियों का पता चलाता है। इस वर्ष 'सबके लिए स्वास्थ्य' थीम का चयन किया गया है। डॉ. तिवारी ने विद्यार्थियों को बताया 1948 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सर्वप्रथम स्वास्थ्य को परिभाषित किया कि जो व्यक्ति सामाजिक, मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ है वही स्वस्थ कहे जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने समय–समय पर स्वास्थ्य चुनौतियों जैसे– मलेरिया, तपेदिक, कुष्ठ रोग, चेचक, पोलियो आदि से निपटने के लिए अनेक योजनाएं प्रस्तुत की है।

इन रोगों से पीड़ित रोगियों को ईलाज उपलब्ध कराना और कुपोषण को दूर करना विश्व स्वास्थ्य संगठन का लक्ष्य है। कार्यक्रम के अंत में आयुर्वेद कॉलेज के डॉ. वेकटेश नारायन जोशी ने मुख्य अतिथि का आभार ज्ञापन करते हुए कहा कि वर्तमान समय में आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान को साथ मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस., आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय, डॉ. प्रज्ञा सिंह सहित बीएएमएस के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

विभागीय बैठक : संहिता एवं सिद्धान्त

दिनांकः **07 अप्रैल, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कॉलेज के संहिता सिद्धान्त एवं संस्कृत विभाग मे बीएएमएस प्रथम व्यावसायिक सत्र 2021–22 की द्वितीय छमाही प्रायोगिक परीक्षा जो 10.04.2023 से निर्धारित है उसे सुचारू एवं पारदर्शिता पूर्ण सम्पन्न कराने के लिए बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में विभागाध्यक्ष डॉ. शांति भूषण की अध्यक्षता में सह आचार्य डॉ. सुमित कुमार, सहायक आचार्या डॉ प्रज्ञा सिंह एवं सहायक आचार्य, श्री साध्वी नन्दन पाण्डेय ने अपनी राय और सहभागिता दी।

कार्यशाला : आरोग्य ग्राम अभियान

दिनांकः **08 अप्रैल, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कॉलेज में 'आरोग्य ग्राम अभियान' के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस. ने दीप प्रज्ज्वलन करके किया। इसके पश्चात् कुलपति महोदय ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों से कहा कि कार्यशाला कुछ नया सीखने का माध्यम है, आरोग्य ग्राम अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थी एवं शिक्षक मिलकर सप्ताह में एक दिन गांव के हर घर जाकर प्रत्येक व्यक्ति से बात कर स्वास्थ्य की जानकारी लेंगे एवं समस्याओं को सुनकर यथासम्भव समाधान करने का प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि गांव के प्रत्येक ग्रामीण को साफ – सफाई, खानपान आदि विषय के लिए जागरूक कर उनके जीवन को निरोग करने का प्रयास करेगें। लोककल्याणार्थ विश्वविद्यालय का यह पहला कदम है इसमें आप सभी के सहयोग की आवश्यकता है।

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने छात्र–छात्राओं की समस्याओं को सुना व उनके समाधान हेतु आवश्वासन दिया।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को विश्व में प्रथम स्थान पर लाना, विश्वविद्यालय को गुणवत्तापूर्ण विश्वविद्यालयों की सूची मे लाना है तो लीक से हटकर कठोर परिश्रम करनी ही होगी। हमें ऐसा वैद्य बनना है जो धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के लिए काम करें। अपने आप को स्वस्थ रखे और कठोर परिश्रम कर समाज को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय सोनबरसा, सिक्टौर व बालापार तीन गांवो के सहयोग से खड़ा है अतः हम सभी का नैतिक कर्त्तव्य है कि इन गांव के सभी व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और लाभान्वित करें। इन तीन गांव को रोगमुक्त रखें। भविष्य में उन्हें 'आरोग्य ग्राम' घोषित करने की तरह कार्य करना है।

कार्यशाला के तृतीय सत्र में डॉ. गोपीकृष्णन विभागाध्यक्ष रोग निदान एवं डॉ वेंकटेश नारायन जोशी विभागाध्यक्ष द्रव्यगुण ने आरोग्य ग्राम अभियान की योजना विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत करते हुए विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस. सहित आयुर्वेद कॉलेज के समस्त शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहें।

विश्वविद्यालय ट्रेंडिंग ऑन ट्वीटर

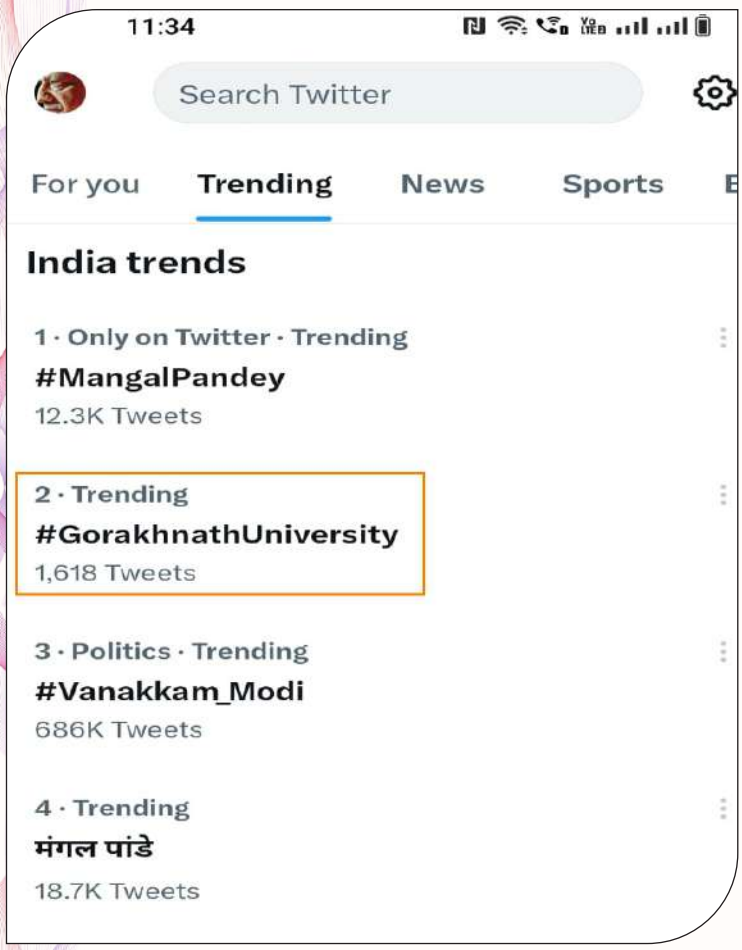

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर पूर्वांचल के साथ–साथ पूरे देश भर में चिकित्सा शिक्षा की विभिन्न विधाओं के एक बड़े हब के रूप में विकसित हो रहा है। अपनी उत्कृष्ट फैकल्टी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित शैक्षिक परिसर और अत्याधुनिक सुविधाओं के कारण यह विश्वविद्यालय शिक्षा जगत में विशेष स्थान रखता है।

विद्यार्थियों और अभिभावकों के मन में विशेष स्थान रखने वाले इस विश्वविद्यालय को इंटरनेट पर भी खूब सराहना और समर्थन प्राप्त हो रहा है। 08 अप्रैल, 2023 दिन शनिवार को ट्विटर की राष्ट्रीय रैंकिंग में #GorakhnathUniversity लगभग 12 हजार से अधिक ट्वीटस के साथ नंबर 02 पर ट्रेंड करता रहा।

ट्विटर पर 11:00 AM से शुरू हुआ यह ट्रेंड पूरे दिन सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना रहा। विदित हो कि इस ट्रेंड की लगभग 06.86 करोड़ लोगों तक Potential Reach रही। सोशल मीडिया पर धूम मचा रहे इस ट्रेंड में विश्वविद्यालय के छात्र एवं छात्रों के साझा किए गए अनुभवों से यह ट्रेंड जीवंत हो गया।

गौरतलब है कि इस ट्रेंड में महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश समेत देश के अनेक राज्यों के लोगों ने सहभागिता कर विश्वविद्यालय की सुविधाओं की जमकर सराहना की। गोरखपुर को सिटी ऑफ नॉलेज बनाने की दिशा में अग्रसर यह विश्वविद्यालय पूरे पूर्वांचल में शिक्षा, सुरक्षा और संस्कार की पर्याय बन गया है।

विद्यार्थियों के द्वारा संस्कृत भाषा में साझा किए गए विचारों को ट्विटर पर सराहा गया।

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

दिनांक: **13 अप्रैल, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग में अध्ययनरत ANM प्रथम वर्ष की 25 छात्राओं द्वारा बैजनाथपुर के अंतर्गत विशुनपुर गाँव में स्कूल हेल्थ प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमे छात्राओं ने गाँव के प्राथमिक विद्यालय मे विभिन्न तरीको जैसे नाटक, पोस्टर के माध्यम से दातों की बीमारी एवं उसके उपचार, संचारी रोगों की पहचान, उसके रोकथाम तथा 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चो की देखभाल, उच्च प्रोटीन आहार से अवगत कराया। इस आयोजन के दौरान शिक्षिका सुश्री आराधना तथा सुश्री सत्यभामा छात्राओं के साथ उपस्थित थे।

बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जयंती

दिनांकः **14 अप्रैल, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कॉलेज में अम्बेडकर जयंती का आयोजन किया गया। जिसमें बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी के छायाचित्र पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. द्वारा पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनकी जीवन गाथा पर प्रकाश डाला गया।

आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबा साहेब संविधान के शिल्पकार होने के साथ–साथ प्रसिद्ध राजनीतिक नेता, दार्शनिक, लेखक, अर्थशास्त्री, न्यायविद्, बहुभाषाविद्, धर्म दर्शन के विद्वान और एक समाज सुधारक थे। 14 अप्रैल का दिन देश भर में अंबेडकर जयंती के तौर पर मनाया जाता है।

वह भारत में दलितों व पिछड़े वर्गों के मसीहा थे। बाबा साहेब ने भारत के संविधान निर्माण में अहम भूमिका निभाई इसलिए उन्हें संविधान का जनक भी कहा जाता है।

आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य ने बाबा साहेब अंबेडकर जी की जयंती पर सभी विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वो भी बाबा साहेब के पदचिन्हो का अनुसरण करते हुए समाज में हो रही बुराईयों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य मंजूनाथ एनएस जी द्वारा की गई एवं कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस के छात्र सिद्धान्त श्रीवास्तव ने किया।

इस कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस., डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. जशोवन्ता डनसना व श्री साध्वीनन्दन पाण्डेय सहित समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहें।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग मे बाबा साहब डॉ भीम राव अंबेडकर जी के जन्म दिवस के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मेजर जनरल अतुल वाजपेई जी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। इस व्याख्यान कार्यक्रम में नर्सिंग कालेज की प्रधानाचार्या डॉक्टर डी. एस. अजीथा, उप कुलसचिव श्री श्रीकान्त और नर्सिंग कालेज की शिक्षक एवं विद्याथियो की उपस्थिति रहीं। अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि मेजर जनरल डॉक्टर अतुल वाजपेई द्वारा बाबा साहब डॉक्टर भीम राव अंबेडकर के प्रारम्भिक जीवन, शिक्षा, छुआछूत के विरोध संघर्ष, पूना पैकट, राजनीतिक जीवन, धर्म परिवर्तन की घोषणाएं संविधान निर्माण, ब्यक्तिगत जीवन, पुरस्कार व सम्मान, समर्पित स्मार्क व संग्रहालय के बारे मे अवगत कराया गया।

कार्यक्रम का आयोजन सुश्री सलोनी गुप्ता व अनामिका जायसवाल जी ने किया।

ABACUS UP PORTAL : कार्यशाला एवं परिचर्चा

दिनांकः **15 अप्रैल, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और ABACUS UP PORTAL पर पंजीकरण और उससे सम्बन्धित समस्याओं का समाधान विषय पर व्याख्यान और विस्तृत परिचर्चा आयोजित की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. दिनेश चन्द्र शर्मा, प्रदेश समन्वयक NEP 2022 एवं ABACUS UP, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष जन्तु विज्ञान विभाग कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय गौतमबुद्धनगर रहे। प्रो. शर्मा ने अपने वक्तव्य में विश्वविद्यालय के विद्यार्थीयों एवं शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए NEP 2020 के उद्देश्यों और प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे सकरात्मक पहल की सम्पूर्ण जानकारी दी तथा प्रदेश सरकार द्वारा ABACUS UP में पंजीकरण तथा विद्यार्थियों के एकेडमिक क्रेडिट बैंक का समुचित प्रयोग कैसे करना अथवा भविष्य में कैसे एक विश्वविद्यालय से दूसरे विश्वविद्यालय में स्थानांतरण करा सकते हैं पर जानकारी दी गई। प्रदेश और देश भर के किसी भी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में स्थानांतरण लेने में ABACUS UP एवं ABC क्रेडिट संग्रह के स्थानांतरण पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, अधिष्ठाता सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ विमल कुमार दूबे, अधिष्ठाता कृषि विज्ञान संकाय, डॉ. डीएस अजीथा, प्राचार्य गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज ऑफ नर्सिंग एवं समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आरोग्य ग्राम्य जागरूकता अभियान

दिनांकः **15 अप्रैल, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज में चल रहे आरोग्य ग्राम अभियान के अंतर्गत आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य शिक्षकों का समूह पांच ग्राम प्रधानों से मिलकर ग्रामीणों को निरोग बनाने हेतु जानकारी प्राप्त करते हुए सहयोग की अपील की।

सामूहिक स्वास्थ्य शिक्षा

दिनांकः **19 अप्रैल, 2023** को विश्वविद्यालय के गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज ऑफ नर्सिंग में अध्ययनरत जीएनएम तृतीय वर्ष की 30 छात्राओं ने ग्रामसभा बैजनाथपुर के विशुनपुर गाँव में सामूहिक स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन किया। जिसमे बच्चों व वृद्धों के स्वास्थ्य की जाँच कर रोगो से होने वाली बीमारियों के बारे में जागरूक किया।

पोस्टर प्रतियोगिता

दिनांक : **18 अप्रैल, 2023** को आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय द्वारा संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज में विश्व विरासत दिवस पर 'हमारी भारतीय विरासत' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिसमें बीएएमएस प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, शिल्प कला, स्मारक आदि के साथ भारतीय ज्ञान परम्परा, आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को भी अपने पोस्टर में स्थान दिया।

कार्यशाला एवं व्याख्यान

नैक, आइक्यूएसी व राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

प्रदेश शासन की अपर मुख्य सचिव ,अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, श्रीमती मोनिका एस. गर्ग ने कहा है कि नैक की बेहतरीन ग्रेडिंग किसी भी विश्वविद्यालय या उच्च शिक्षा संस्थान की शैक्षिक समेत समग्र गुणवत्ता का प्रतिबिंब होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप आगे बढ़ते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने जिस तरह अभी से नैक के मानकों पर खुद को तराशना शुरू किया है, उसे देखते हुए उम्मीद है कि स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होते–होते यह श्रेष्ठतम नैक ग्रेडिंग प्राप्त कर लेगा।

श्रीमती मोनिका एस. गर्ग दिनांकः **22 अप्रैल, 2023**, शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर में नैक, राष्ट्रीय मूल्यांकन व प्रत्यायन परिषद एवं आईक्यूएसी; आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ प्रशिक्षण कार्यशाला एवं व्याख्यान में बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रही थीं। कार्यशाला के पहले चरण में नैक/आईक्यूएसी से संबंधित विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या पर परिचर्चा हुई। जिसमें संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता एवं आइक्यूएसी के समन्वय प्रो. सुनील कुमार सिंह ने प्रगति पर प्रस्तुतिकरण दिया।

द्वितीय सत्र में अपर मुख्य सचिव श्रीमती गर्ग ने विश्वविद्यालय के समस्त संस्थानों के प्राचार्यों, अधिष्ठाता एवं आईक्यूएसी समिति के सदस्यों से नैक, आईक्यूएसी तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में विस्तार से संवाद किया। कहा प्रसन्नता का विषय है कि यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के हर पहलू को गंभीरता और व्यावहारिकता से अंगीकार कर आगे बढ़ रहा है।विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान पद्धति का मॉडल सेंटर बनने की क्षमता है और उसी अनुरूप यहां शोध व नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा। काफी कम समय में इस विश्वविद्यालय का मेडिकल एजुकेशन का बड़ा केंद्र बन जाना बड़ी उपलब्धि है। इन सबके साथ ही स्थापना के डेढ़ साल में ही नैक ग्रेडिंग को लेकर जो तैयारियां शुरू की गई हैं, वह आने वाले समय में अन्य संस्थाओं हेतु उदाहरण बन जाएंगी। अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से प्रतिस्पर्धा करने की दिशा में भी पहल करनी होगी। उन्होनें कहा कि विश्वविद्यालय में रिसर्च एंड डेवलपमेंट के संग प्रदेश एवं देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों संग सहयोग हेतु एक्शन प्लान तैयार कर कार्यवाही किए जाने का सुझाव दिया।

आयोजन का तृतीय सत्र व्याख्यान केंद्रित रहा। इसमें अपर मुख्य सचिव अल्पसंख्यक कल्याण विभाग श्रीमती गर्ग ने नैक की बारीकियों, आइक्यूएसी की महत्ता और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अपरिहार्यता पर चर्चा की। कहा राष्ट्रीय शिक्षा नीति का ध्येय है कि हमारे शिक्षण संस्थान सिर्फ सर्टिफिकेट या डिग्री बांटने का केंद्र न रहें बल्कि समाज व राष्ट्र हित में योगदान देने वाले समर्थ व सुयोग्य नागरिक तैयार करें। नवाचार, शोध, विद्यार्थी जीवन से ही आत्मनिर्भरता की प्रवृत्ति को बढ़ाएं।

कार्यशाला एवं व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल कुमार वाजपेयी ने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए राष्ट्रीयता शिक्षा के मूल में होनी चाहिए। राष्ट्रीयता व मूल्यपरकता की बुनियाद पर बने इस विश्वविद्यालय का लक्ष्य अपनी स्थापना के पांच वर्ष होने तक देश के एक 'मॉडल यूनिवर्सिटी' के रूप में स्थापित होने का है। उन्होंने बताया इस विश्वविद्यालय का लोकार्पण 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों हुआ था। अपनी शैक्षणिक यात्रा के दो वर्ष से भी कम समय में इस विश्वविद्यालय ने 'क्वालिटी एजुकेशन' के क्षेत्र में कई प्रतिमान स्थापित किए हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, नर्सिंग कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस, अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय प्रो सुनील कुमार सिंह अधिष्ठाता सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, अधिष्ठाता कृषि विज्ञान संकाय डॉ विमल कुमार दूबे, आयुर्वेद कॉलेज के आचार्य डॉ नवीन के, सह आचार्य डॉ सुमित कुमार एम, डॉ विनम्र शर्मा, श्रीमती प्रिंसी, सहायक आचार्य डॉ जशोबंत डनसना, कृषि विज्ञान के सहायक आचार्य डॉ विजय दुगेसर, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की सहायक आचार्य श्रीमती अनुपमा ओझा, डॉ अमित कुमार दूबे सहायक आचार्य, श्रीमती ममता, सहायक आचार्य कॉलेज आफ नर्सिंग, डॉ कुलदीप सिंह, सहायक आचार्य, विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव श्रीकान्त, चिकित्सालय प्रबंधक गिरिजेश कुमार मिश्रा, डॉ हरिवंश यादव आरएमओ सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

पुस्तक विमोचन

दिनांक: **23 अप्रैल, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज ऑफ नर्सिंग के सभागार में डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनन्त नारायण भट्ट, बीएचयू के रसायन विभाग के प्रोफेसर डॉ. वेंकटनारायण रामनाथन कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के हाथों महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज में हिन्दी प्रवक्ता और योगवाणी के सम्पादक डॉ. फूलचन्द प्रसाद गुप्त द्वारा संकलित और सम्पादित दो ग्रन्थों राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ वचनामृत और महन्त योगी आदित्यनाथ वचनावली का लोकार्पण सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर डॉ. अनन्त नारायण भट्ट ने कहा कि श्रीगोरक्षपीठ की यशस्वी महन्त परम्परा लोककल्याण के लिए समर्पित रही है। महन्त अवेद्यनाथ महाराज का जीवन अत्यन्त प्रेरक रहा है। उनके सद्ववचनों का संग्रह कर डॉ. गुप्त ने प्रशंसनीय कार्य किया है।

डॉ. वेंकटनारायण रामनाथन् ने कहा कि आचार्य द्वय के प्रेरक वचनों का संग्रह व्यक्ति और समाज के लिए मार्गदर्शक बनेगा। श्रीगोरक्षपीठ के आचार्यों का जीवन अनुकरणीय है।

मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि महन्त अवेद्यनाथ महाराज और महन्त योगी आदित्यनाथ महाराज के वचनों के ये संग्रह पाठकों को वैविध्यबोध के साथ ही आचार्यों के ज्ञान प्रभा मण्डल का भी बोध करायेंगे। ये वचन हमारे मार्गदर्शक बनेंगे।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि महन्त जी के शब्द कर्म से अभिसिंचत थे। वे वही कहते थे जो उनके सद्कर्म में था। उन्होंने शब्दों को जीया। उनके वचनों का यह संग्रह समाज के लिए शब्द, कर्म की एकरूपता का सन्देशवाहक बनेगा। डॉ. फूलचन्द प्रसाद गुप्त ने कहा कि मेरी सदिच्छा थी कि मैं पूजनीय महन्त द्वय के धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक सांस्कृतिक, यौगिक, साहित्यिक वचनों का संग्रह करूं। यह श्रमसाध्य कार्य अब साकार रूप में प्रत्यक्ष है। यह संग्रह व्यक्ति और समाज के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, छात्र–छात्राएं और गणमान्य उपस्थित रहे।

प्रसिद्ध व्याख्यान श्रृंखला

जैव प्रौद्योगिकीय विभाग-भारत सरकार द्वारा अनुदानित व्याख्यानमाला

दिनांक **23 अप्रैल, 2023** को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनंत नारायण भट्ट ने कहा है कि पर्सनलाइज्ड मेडिसिन (व्यक्तिकृत चिकित्सा) भविष्य की चिकित्सा व्यवस्था को नई राह दिखा सकता है। मानव जिनोम सिक्वेंसिंग का पर्सनलाइज्ड मेडिसिन में उपयोग बदलती आवश्यकता के अनुरूप चिकित्सा तंत्र के समयानुकूल सशक्त होने का संकेतक है। पर्सनलाइज्ड मेडिसिन को भविष्य की चिकित्सा व्यवस्था बनाने में आयुर्वेद को बड़ी व महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार रहना होगा।

डॉ. भट्ट रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में जैव प्रौद्योगिकीय विभाग, भारत सरकार द्वारा अनुदानित प्रसिद्ध व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के तत्वावधान में आयोजित हुआ।

'भारतीय चिकित्सा पद्धति में विज्ञान' प्रौद्योगिकी के समन्वित प्रयास से आयुर्वेद चिकित्सा का एकीकरण विषयक व्याख्यानमाला को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ह्यूमन जिनोम सिक्वेंसिंग की उपयोगिता भविष्य की चिकित्सा व्यवस्था को एक नई राह दे सकता है। अपने व्याख्यान में डॉ. भट्ट ने आयुर्वेद के लाभों से सबको अवगत कराया। बताया कि पेट मानव शरीर का दूसरा मस्तिष्क है तथा वात, कफ व पित्त का असंतुलन ही रोग का कारण है। बीमारियों से बचने के लिए वात, कफ व पित्त का नियमन बहुत जरूरी है।

उन्होंने आयुर्वेद से संबंधित स्टार्टअप्स के लिए नवाचार पर बल देने के साथ देश में विभिन्न स्थानों पर पंचकर्म केंद्र खोलने की महत्ता पर प्रकाश डाला। डॉ. भट्ट ने रोग के निदान में जर्म थियरी एवं टेरेन थियरी पर भी चर्चा की।

द्वितीय व्याख्यान में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में रसायन विज्ञान विभाग के आचार्य डॉ. वेंकेटनारायण रामनाथन में प्राचीन भारतीय इतिहास और प्रोद्योगिकी में रसायन विज्ञान की भूमिका एवं विविधता से सभी को परिचित कराते हुए कहा कि भारतीय वैदिक एवं प्राचीन ग्रंथो में वर्णित चिकित्सा प्रणाली ही आधुनिक चिकित्सा का आधार है।

उन्होंने रसायन शास्त्र के योगदान के महत्व को बताते हुए कहा कि पुरातन स्वर्ण पहचान की परंपरा अभी तक गोल्ड स्टैंडर्ड तकनीक के रूप में प्रयोग हो रही है। उन्होंने कई धातु जैसे तांबा, जस्ता के शोधन में भारत के पुरातन योगदान का उल्लेख किया जिसे विदेशी सभ्यताओं ने भी अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अपनाया। डॉ. रामनाथन ने जनमानस को अपने पुरातन संस्कृति से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। साथ ही प्राचीन ग्रंथो को पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने पर बल दिया। एक अन्य व्याख्यान में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता इसी प्रो. सुनील कुमार ने आयुर्वेद में जैव प्रोद्योगिकी के एकीकरण की महत्ता पर प्रकाश डाला।

प्रसिद्ध व्याख्यान श्रृंखला

जैव प्रौद्योगिकीय विभाग-भारत सरकार द्वारा अनुदानित व्याख्यानमाला

प्रसिद्ध व्याख्यानमाला के तृतीय सत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के सभागार में प्रो सुनील कुमार सिंह ने **'आयुर्वेद में जैव प्रौद्योगिकी का एकीकरण'** विषय पर विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि आयुर्वेद प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति है जो हजारों वर्षों से प्रचलन में है। यह स्वास्थ्य सेवा के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है जो मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन पर जोर देता है। हाल के वर्षों में आयुर्वेद में जैव प्रौद्योगिकी के एकीकरण में रुचि बढ़ी है।

जैव प्रौद्योगिकी में मानव स्वास्थ्य में सुधार करने वाले उत्पादों और सेवाओं को बनाने के लिए जीवित जीवों या उनके घटकों का उपयोग शामिल है। यह एकीकरण आयुर्वेद के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के नए अवसर ला सकता है। आयुर्वेद में जैव प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने का एक प्रमुख लाभ नई दवाओं और उपचारों का विकास है।

जैव प्रौद्योगिकी पौधों और अन्य प्राकृतिक स्रोतों से नए सक्रिय यौगिकों की पहचान करने में मदद कर सकती है और इन यौगिकों का उपयोग अधिक प्रभावी और सुरक्षित दवाएं बनाने के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा जैव प्रौद्योगिकी नए नैदानिक उपकरणों और व्यक्तिगत उपचारों के विकास में मदद कर सकती है, जो रोगी के परिणामों में सुधार कर सकती है और स्वास्थ्य देखभाल की लागत को कम कर सकती है।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने दीप प्रज्वलित कर किया। आभार ज्ञापन संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की सहायक आचार्या डॉ. अनुपमा ओझा व संचालन बीएससी बायोटेक्नोलॉजी प्रथम वर्ष की छात्रा शगुन शाही ने किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, अधिष्ठाता कृषि विज्ञान संकाय डॉ. विमल कुमार दूबे, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस समेत विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकगण,विद्यार्थी तथा महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कॉलेज रामदत्तपुर एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के विद्यार्थियों की भी सहभागिता रही।

विभागीय बैठक : संहिता एवं सिद्धान्त

दिनांकः **25 अप्रैल, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में संहिता एवं सिद्धांत विभाग के विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों के बीच बीएएमएस सत्र 2021–22 के 7वें आवधिक परीक्षा एवं सत्र 2022–23 के विद्यार्थियों की 2 आवधिक परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम एवं परीक्षा पैटर्न निर्धारण के लिए बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विभागाध्यक्ष डॉ शांति भूषण, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुमित, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रज्ञा सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर श्री साध्वी नंदन पाण्डेय उपस्थित रहें।

आरोग्य ग्राम्य जागरूकता

दिनांकः **29 अप्रैल, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में चल रहे आरोग्य ग्राम अभियान के अंतर्गत चिन्हित ग्राम सोनबरसा मे विश्वविद्यालय के समस्त चिकित्सक, शिक्षक एवं छात्रों द्वारा ग्रामीणों को सम्पूर्ण आरोग्यता प्रदान करने हेतु स्वास्थ्य परीक्षण कर हेल्थ कार्ड प्रदान किया गया साथ–साथ उन्हें निरोग रहने उपायों के बारे में बताया गया।

प्रशिक्षण कार्यशाला

दिनांकः **29 अप्रैल, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कृषि विज्ञान संकाय के सहायक आचार्य डॉ. विकास कुमार यादव ने विद्यार्थियों को ग्रीष्म ऋतु (जायद) में उगने वाले प्रमुख रूप से कद्दू वर्गीय फसलों में वैज्ञानिक विधि से खरपतवार, रोग एवं कीट से रोकथाम हेतु प्रशिक्षित किया। इस कार्यशाला में कृषि विज्ञान संकाय के प्रथम वर्ष के समस्त विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में स्थित कृषि फार्म पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समाचार पत्रों में विश्वविद्यालय

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में हुआ व्याख्यान का आयोजन

खानपान के साथ गर्भवती का प्रसन्न रहना भी जरूरी

व्याख्यान

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में व्याख्यान देती प्रो. जशीता राजेश। • हिन्दुस्तान

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। स्वस्थ शिशु के जन्म के लिए गर्भवती का खानपान तो अच्छा होना ही चाहिए मन भी हमेशा प्रसन्न रहना चाहिए। मौजूदा भागदौड़ भरी जिंदगी में यह जरूरी है कि पेट में पल रहे बच्चे का ख्याल हर तरह से रखा जाए। प्रशिक्षित डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टॉफ से लैस अस्पताल में ही प्रसव कराया जाए।

सोमवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में 'सुरक्षित प्रसव की चुनौतियां' विषय पर आयोजित व्याख्यान में कॉर्पोरेटिव कॉलेज ऑफ नर्सिंग, थैलेसरी, केरल की प्रो. जशीता राजेश बतौर मुख्य वक्ता मौजूद रहीं। उन्होंने बताया कि सबसे पहले गर्भवती के पोषण पर ध्यान देने की आवश्यकता है। पूरी गर्भावस्था के दौरान समय-समय पर गर्भवती का स्वास्थ्य परीक्षण होना चाहिए। गर्भवती के लिए अपने मन को हमेशा प्रसन्न रखना सबसे अधिक जरूरी है।

इस दौरान हल्के-फुल्के व्यायाम के साथ खुद को यथासंभव सक्रिय रखना भी जरूरी है। इसके साथ ही आवश्यकतानुसार विटामिन और अन्य पोषक तत्वों को दिया जाना महत्वपूर्ण है। प्रो. जशीता ने कहा कि यदि नौ महीने गर्भवती की उचित देखभाल की गई है तो इससे प्रसव के समय माँ या शिशु की मृत्यु जैसी दुःखद स्थितियों में काफी हद तक कमी लाई जा सकती है। यह सुखद है कि पिछले कुछ वर्षों में इसमें उल्लेखनीय कमी आई भी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल अतुल वाजपेयी ने की। संचालन अनामिका जायसवाल और सलोनी गुप्ता ने किया। प्रिंसी जॉर्ज ने अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया।

प्रसन्न मां के गर्भ में ही एक स्वस्थ शिशु का निर्माण

उन्होंने बताया कि प्रसन्न मां के गर्भ में ही एक स्वस्थ शिशु का निर्माण होता है। शिशु के मानसिक स्वास्थ्य पर भी इस अवस्था का अत्यधिक प्रभाव पड़ता है। आवश्यक है कि गर्भवती स्वयं को स्वस्थ और प्रसन्न रखने के साथ-साथ इस समय अच्छी और सकारात्मक बातों का ही मनन करें। नकारात्मकता से पूरी तरह दूर रहें। चिकित्सकीय परीक्षण के लिए आने वाली गर्भवती से बात कर चिकित्सक और नर्स को भी उनकी सोच को सकारात्मक बनाने का यथासंभव प्रयास करना चाहिए। वहीं गर्भवती को स्वस्थ जीवनशैली जीने को प्रोत्साहित करना चाहिए।

ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करेगा महायोगी गोरखनाथ विवि : डॉ वाजपेयी

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में आरोग्य ग्राम अभियान पर कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता

गोरखपुर, 8 अप्रैल। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में 'आरोग्य ग्राम अभियान' पर दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस. ने दीप प्रज्ज्वलन करके किया।

इस अवसर पर कुलपति डॉ वाजपेयी ने कहा कि कार्यशाला कुछ नया सीखने का माध्यम है। आरोग्य ग्राम अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थी एवं शिक्षक मिलकर सप्ताह में एक दिन गांव के हर घर जाकर प्रत्येक व्यक्ति से बात करेंगे। उनकी स्वास्थ्य की जानकारी लेकर, और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को सुनकर यथासम्भव समाधान करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत गांव के प्रत्येक ग्रामीण को साफ–सफाई, खानपान आदि विषय के लिए जागरूक कर उनके जीवन को निरोग करने का प्रयास किया जाएगा। लोक कल्याणार्थ विश्वविद्यालय का यह महत्वपूर्ण कदम है, इसमें सभी के सहयोग की आवश्यकता है।

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने छात्र–छात्राओं की समस्याओं को सुना व उनके समाधान हेतु आश्वासन दिया। विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को विश्व मे प्रथम स्थान पर लाना, विश्वविद्यालय को गुणवत्तापूर्ण विश्वविद्यालय की सूची मे लाना है तो लीक से हटकर कठोर परिश्रम करना ही होगी। हमें ऐसा वैद्य बनना है जो धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के लिए काम करें। अपने आप को स्वस्थ रखें और कठोर परिश्रम कर समाज को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय सोनबरसा, सिक्टौर और बालापार तीन गावो के सहयोग से खड़ा है। अतः हम सभी का नैतिक कर्तव्य है कि इन गांवों के सभी व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और लाभान्वित करें। इन तीन गांव को रोगमुक्त रखें। भविष्य में उन्हें 'आरोग्य ग्राम' घोषित करने की तरह कार्य करना है। कार्यशाला के तृतीय सत्र में डॉ. गोपीकृष्णन, विभागाध्यक्ष रोग निदान एवं डॉ वेंकटेश नारायन जोशी, विभागाध्यक्ष द्रव्यगुण ने आरोग्य ग्राम अभियान की योजना विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत करते हुए विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला मे आयुर्वेद कॉलेज के समस्त शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्याख्यान व कार्यशाला को संबोधित करतीं अपर मुख्य सचिव मोनिका एस. गर्ग • जागरण

'नैक ग्रेडिंग विश्वविद्यालय की गुणवत्ता का प्रतिबिंब'

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में व्याख्यान व कार्यशाला का किया गया आयोजन
- अपर मुख्य सचिव ने की विश्वविद्यालय की प्रगति की सराहना, दिए महत्वपूर्ण सुझाव

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : अपर मुख्य सचिव मोनिका एस. गर्ग ने कहा कि नैक की बेहतर ग्रेडिंग किसी भी विश्वविद्यालय या उच्च शिक्षण संस्थान की शैक्षिक गुणवत्ता का प्रतिबिंब होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मानकों के अनुरूप महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने खुद को निखारना शुरू कर दिया है। ऐसे में पूरी उम्मीद है कि स्थापना के पांच वर्ष पूरा करते ही यह विश्वविद्यालय नैक से श्रेष्ठ ग्रेड प्राप्त कर लेगा। अपर मुख्य सचिव शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित नैक और आइक्यूएसी प्रशिक्षण कार्यशाला और व्याख्यान को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं।

...एजुकेशन का बड़ा केंद्र बन जाना बड़ी उपलब्धि है। गर्ग ने सभी से गुणवत्तायुक्त शिक्षण कार्य करने, स्थापना के पांच साल पूर्ण होने तक बेहतरीन नैक ग्रेडिंग हासिल करने एवं आने वाले 10 वर्षों में विश्वविद्यालय को देश सर्वोच्च 10 विश्वविद्यालयों की सूची में स्थान बनाने के लिए...

Excellent NAAC grading is a reflection of the quality of the university: Monika Garg

Workshop and lecture organized on NAAC, IQAC and National Education Policy 2020 at Mahayogi Gorakhnath University

JEEVAN EXPRESS BUREAU

GORAKHPUR: Additional Chief Secretary (Minorities Welfare Department) of State Government Mrs. Monika S. Garg said on Saturday that the best grading of NAAC is a reflection of the overall quality, including academic, of any university or higher education institution. Moving forward in accordance with the National Education Policy 2020, the way Mahayogi Gorakhnath University has started carving itself on the standards of NAAC, it is expected that it will achieve the best NAAC grading by the completion of five years of establishment.

Mrs. Monica S. Garg was expressing her views as the chief guest at the NAAC (National Assessment and Accreditation Council) and IQAC (Internal Quality Assur-

ance Cell) training workshop and lecture at Mahayogi Gorakhnath University, Arogyadham Gorakhpur on Saturday. In the first phase of the workshop, the progress report of the university related to NAAC/IQAC was discussed. During this, the Dean of the Faculty of Health Sciences and the coordination of IQAC, Prof. Sunil Kumar Singh made a presentation on the progress made so far. In the second session, Additional Chief Secretary Smt. Garg spoke in detail about NAAC, IQAC and National Education Policy 2020 with the Dean of all the institutions of the University and IQAC Committee.

On this occasion, University Registrar Dr. Pradeep Kumar Rao, Principal of College of Nursing, Dr. DS Ajitha, Principal of Ayurveda College, Dr. Manjunath NS, Dean, Faculty of Allied Health Sciences, Prof. Sunil Kumar Singh, Dean, Faculty of Allied Health Sciences, Dean, Faculty of Agricultural Sciences, Dr. Vimal Kumar Dubey, Professor of Ayurveda College Dr. Naveen K, Associate Professor Dr. Sumit Kumar M, Dr. Vinam Sharma, Mrs. Princy, Assistant Professor Dr. Jashobant Dansana, Assistant Professor of Agricultural Sciences Dr. Vijay Dugesar, Assistant Professor of Allied Health Sciences Mrs. Anupama Ojha, Dr. Amit Kumar Dubey, Assistant Professor, Mrs. Mamta, Assistant Professor College of Nursing, Dr. Kuldeep Singh, Assistant Professor, Deputy Registrar of the University Shrikant, Hospital Manager Girijesh Kumar Mishra, Dr. Harivansh Yadav RMO and all the teachers were present.

सभी को मिले सही उपचार

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस में व्याख्यान

जासं, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कालेज) में 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' पर शुक्रवार को व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि सीना रोग विशेषज्ञ डा. रत्नेश तिवारी ने कहा कि सभी को सही उपचार व पोषण मिलना चाहिए। इसलिए इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस दिवस की थीम 'सबके लिए स्वास्थ्य' रखा है।

डा. तिवारी ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन अपना 75वां स्थापना दिवस मना रहा है। प्रति वर्ष दुनिया में सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता के प्राथमिकता वाले क्षेत्र को उजागर करने के लिए एक थीम का चयन किया जाता है। इस थीम को आधार बनाकर पूरे वर्ष अनेक जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। इससे लोगों को विभिन्न नई बीमारियों का पता चलाता है।

आयुर्वेद कालेज के डा. वेंकटेश नरायण जोशी ने आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि वर्तमान में आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा...

आयुर्वेद कालेज में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते डा. रत्नेश तिवारी •

पैदल मार्च कर डाक्टरों ने स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

गोरखपुर : इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) के तत्वावधान में डाक्टरों ने पैदल मार्च कर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। नौका विहार से एनेक्सी भवन तक मार्च किया गया। अध्यक्ष डा. राजेश गुप्ता ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण होता है। अगर शरीर स्वस्थ होगा तो रोगों से लड़ने की क्षमता अधिक होगी। उपाध्यक्ष डा. संजीव गुप्ता ने कहा कि फास्ट फूड व वसायुक्त भोजन के सेवन से लोग मोटापा के शिकार रहे हैं, जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। इस अवसर पर नर्सिंग होम एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. शिव शंकर शाही, डा. आरपी शुक्ला, मीडिया प्रभारी डा. इमरान अख्तर, डा. संजीव सिंह, डा. जेपी जायसवाल, डा. एससी कौशिक, डा. नीरज श्रीवास्तव, डा. महेंद्र अग्रवाल उपस्थित थे।

चिकित्सा दिखा सकती है भविष्य की नई राह

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनंत नारायण भट्ट ने कहा है कि पर्सनलाइज्ड मेडिसिन (व्यक्तिकृत चिकित्सा) भविष्य की चिकित्सा व्यवस्था को नई राह दिखा सकती है। मानव जीनोम सिक्वेंसिंग का पर्सनलाइज्ड मेडिसिन में उपयोग बदलती आवश्यकता के अनुरूप चिकित्सा तंत्र के समयानुकूल सशक्त होने का संकेतक है। पर्सनलाइज्ड मेडिसिन को भविष्य की चिकित्सा व्यवस्था बनाने में आयुर्वेद को महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार रहना होगा।

डॉ. भट्ट रविवार को महायोगी गोरखनाथ विवि के सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की तरफ से आयोजित भारतीय चिकित्सा पद्धति में विज्ञान, प्रौद्योगिकी के समन्वित प्रयास से आयुर्वेद चिकित्सा का एकीकरण विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ह्यूमन जीनोम सिक्वेंसिंग की उपयोगिता भविष्य की चिकित्सा व्यवस्था को एक नई दिशा दे सकता है। पेट शरीर का दूसरा मस्तिष्क है व वात, कफ व पित्त का असंतुलन ही रोग का कारण है। बीमारियों से बचने के लिए वात, कफ व पित्त का नियमन बहुत जरूरी है। देश में विभिन्न स्थानों पर पंचकर्म केंद्र खोलने की महत्ता पर प्रकाश डाला।

महायोगी गोरखनाथ विवि में आयोजित गोष्ठी में दो पुस्तकों का विमोचन हुआ।

महंत अवेद्यनाथ व सीएम योगी पर दो ग्रंथों विमोचन

कार्यक्रम के शुरुआत में अतिथियों द्वारा एमपी इंटर कॉलेज के हिंदी प्रवक्ता डॉ. फूलचंद प्रसाद गुप्त द्वारा संकलित और संपादित दो ग्रंथों राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ वचनामृत और महंत योगी आदित्यनाथ वचनावली का लोकार्पण किया गया। इस दौरान कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, डॉ. अनुपमा ओझा, शगुन शाही, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. डीएस अजीथा, डॉ. मंजूनाथ एनएस उपस्थित रहे।

वैदिक ग्रंथों में वर्णित चिकित्सा प्रणाली ही आधार

बीएचयू में रसायन विज्ञान विभाग के आचार्य डॉ. वेंकटनारायण रमनाथन ने कहा कि भारतीय वैदिक एवं प्राचीन ग्रंथों में वर्णित चिकित्सा प्रणाली ही आधुनिक चिकित्सा का आधार है। उन्होंने रसायन शास्त्र के योगदान के महत्व को बताते हुए कहा कि पुरातन स्वर्ण पहचान की परंपरा अभी तक गोल्ड स्टैंडर्ड तकनीक के रूप में प्रयोग हो रही है। उन्होंने कई धातु जैसे तांबा, जस्ता के शोधन में भारत के पुरातन योगदान का उल्लेख किया जिसे विदेशी सभ्यताओं ने भी अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अपनाया। स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार ने आयुर्वेद में जैव प्रौद्योगिकी के एकीकरण की महत्ता पर प्रकाश डाला।

ट्विटर | देश के टॉप ट्रेंडिंग में चार घण्टे तक नंबर दो पर बना रहा हैशटैग गोरखनाथ यूनिवर्सिटी

देश भर में मचा दी गोरखनाथ विवि ने धूम

सोशल मीडिया से

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। गोरखपुर का महायोगी गोरखनाथ विवि शनिवार को अचानक देश भर में ट्रेंड करने लगा। सुबह 11 बजे अचानक इसकी शुरुआत हुई। जो अगले 4 घण्टो तक बदस्तूर जारी रही। देश भर में हैश टैग गोरखनाथ यूनिवर्सिटी हैश टैग मंगल पांडेय के बाद दूसरे नम्बर पर टैग करता रहा। इस ट्रेंड की लगभग 06.86 करोड़ लोगों तक पहुंच रही।

शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय छाया रहा। हैशटैग गोरखनाथ यूनिवर्सिटी (# **Gorakhnath University**) चार घण्टे तक देश के टॉप ट्रेंडिंग में नंबर दो पर बना रहा। इस हैशटैग के साथ ट्विटर यूजर्स की तरफ से 12 हजार से अधिक ट्वीट किए गए। इस दौरान 6.86 करोड़ लोगों की टाइमलाइन पर संबंधित हैशटैग के साथ ट्वीट दिखाई दिए। लखनऊ, गोरखपुर, आगरा और मेरठ जिलों की ट्रेंडिंग में तो यह शीर्ष स्थान पर रहा। मुंबई, दिल्ली, भोपाल, बेंगलुरु व हैदराबाद में भी यह टॉप फोर में ट्रेंड करता रहा। इस ट्रेंड में गुजरात, बिहार, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश समेत देश के अनेक राज्यों के लोगों ने सहभागिता कर विवि की अच्छाइयों की जमकर सराहना की।

यूजर्स ने की सराहना

यूजर्स ने विश्वविद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर, शैक्षिक माहौल, शिक्षा मूल्यों की जमकर तारीफ करते हुए अपने भावों की अभिव्यक्ति की। अलवर के सासद महंत बालकनाथ ने लिखा लगभग 350 एकड़ में निर्मित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर अत्यंत सुरम्य वातावरण में स्थित है। विश्वविद्यालय के स्वरूप में स्थानीय कला और संस्कृति का बिंब है। विकास अहीर नाम के ट्विटर यूजर ने लिखा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर शिक्षा और स्वास्थ्य के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान की प्राचीन और आधुनिक धाराओं के अध्ययन और अनुसंधान को प्रोत्साहित कर रहा है।

Information given for registration on ABACUS UP portal

Detailed discussion held on National Education Policy in Mahayogi Gorakhnath University

GORAKHPUR: A lecture was organized on Saturday by the Faculty of Health Sciences affiliated to Mahayogi Gorakhnath University, Arogyadham Gorakhpur. In which National Education Policy 2020, Academic Bank for College and University Students of Uttar Pradesh 'ABACUS-UP' portal was discussed about registration and solution of problems related to it.

The program was started by the Vice Chancellor of the University Major General Dr. Atul Vajpayee by lighting the lamp. As the keynote speaker in the program, Prof. Dinesh Chandra Sharma, Head of the Department of Zoology, Kumari Mayawati Government Women's Post Graduate College, Gautam Buddha Nagar and State Coordinator National Education Policy 2020 and ABACUS UP. While addressing the students and teachers of the university,

बेहतरीन नैक ग्रेडिंग विश्वविद्यालय की गुणवत्ता का प्रतिबिंब : मोनिका

स्थापना के पांच वर्ष होने तक श्रेष्ठतम नैक ग्रेडिंग हासिल कर सकता है महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

mguniversitygkp@mgug.ac.in
https://www.mgug.ac.in/
+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur